

गोंदा

अपनाएं वैज्ञानिक तरीका

गोंदे की खेती न तो किसान के लिए सरल है और न ही आम लोगों के लिए इतना फूल उपरिष्ठ। शायद ही कोई यह कहे कि गोंदे का फूल बढ़ेगा। इसके कारण इसकी खेती बाजार में बर्बाद कर रही रहती है। अपने कले (बौद्धिक) विशेषज्ञों की मदद से हम इस फूल को बढ़ावा देने का एक तरीका खोज रहे हैं जो इसकी खेती को बढ़ावा देगा। कई कारणों के बीच में इसे खेती जो उन फसलों की भी काफी लाभ मिलता है। इसकी खेती का वैज्ञानिक तरीका अपनाएं तो लाभ काफी बढ़ जाता है।



भरसरी की रोपाई

गोंदे की खेती के लिए एक बीघर तक की जमीन पर दो रोपे लगाए जा सकते हैं। भरसरी की खेती में ही नया तरीका खोजें। भरसरी को रोपाई के तरीके का हमने अपना विज्ञान प्रयोग के दौरान के छोटी खेतों को खोजा, जो न रोपाई की मात्रा को कम करने के लिए है। भरसरी की खेती में 50 प्रतिशत (50%) तक लाभ बढ़ाया जा सकता है। इसके बाद हमने भरसरी की खेती में 50 प्रतिशत (50%) तक लाभ बढ़ाया जा सकता है। इसके बाद हमने भरसरी की खेती में 50 प्रतिशत (50%) तक लाभ बढ़ाया जा सकता है।

बीज की मात्रा

प्रायः ही किसानों को बीज की मात्रा बढ़ाकर खेती करने के लिए कहा जाता है।

खेत की तैयारी

खेत को तैयार करने के लिए पहले 20 से 30 गुणवत्ता वाले बीजों के साथ से बीज की मात्रा को कम करने के लिए कहा जाता है। इसके बाद 20 से 30 गुणवत्ता वाले बीजों के साथ से बीज की मात्रा को कम करने के लिए कहा जाता है। इसके बाद 20 से 30 गुणवत्ता वाले बीजों के साथ से बीज की मात्रा को कम करने के लिए कहा जाता है।

पौध की रोपाई

गुणवत्ता वाले बीजों की खेती में ही नया तरीका खोजें। गुणवत्ता वाले बीजों के साथ से बीज की मात्रा को कम करने के लिए कहा जाता है। इसके बाद 20 से 30 गुणवत्ता वाले बीजों के साथ से बीज की मात्रा को कम करने के लिए कहा जाता है।

उत्पन्न विभाग गोंदा की खेती के लिए 12 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर के हिसाब से ढका व खाद किसानों को मुफ्त उपलब्ध कराता है। इसके लिए जिला उत्पन्न अधिकारी के कार्यालय में एक फॉर्म भरना होता है। इसके लिए किसान को जोलवही या खेत की नकल और परिवर्ष पत्र के तौर पर राशन कार्ड या वोटर आईडी कार्ड तथा दो फोटो की आवश्यकता होती है। इसमें दस रुपये का स्टाम्प पैपर भी प्रयोग होता है जो किसान को ही लाना होता है।

बीजों का चुनाव

गोंदे के बीज का चुनाव कराने में विशेष ध्यान देना पड़ेगा। अपने उत्पन्न विभाग की मदद से हमने बीजों का चुनाव के तरीके हैं।

अच्छी खेती -

इसकी खेती 20 से 30 गुणवत्ता वाले बीजों की खेती में ही नया तरीका खोजें। इसकी खेती में 50 प्रतिशत (50%) तक लाभ बढ़ाया जा सकता है। इसके बाद हमने इसकी खेती में 50 प्रतिशत (50%) तक लाभ बढ़ाया जा सकता है।

फैसल गोंदा -

इसकी खेती करने के लिए 20 से 30 गुणवत्ता वाले बीजों की खेती में ही नया तरीका खोजें। इसकी खेती में 50 प्रतिशत (50%) तक लाभ बढ़ाया जा सकता है। इसके बाद हमने इसकी खेती में 50 प्रतिशत (50%) तक लाभ बढ़ाया जा सकता है।